



युवा प्रवासी भारतीय दिवस के मौके पर कर्नाटक के बेंगलुरु में श्री विजय गोयल का संबोधन

Posted On: 07 JAN 2017 3:51PM by PIB Delhi

केंद्रीय खेल और युवा मामलों के मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री विजय गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रभावशाली नेतृत्व में वर्तमान सरकार देश को एकजुट, मजबूत और आधुनिक बनाने की दिशा में 'सबका साथ सबका विकास' के सिद्धांत पर चलते हुए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' बनाने की ओर अग्रसर है। बेंगलुरु में युवा प्रवासी दिवस समारोह के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कई अभूतपूर्व शुरुआत की गई है और ये भारत का बेहद शानदार दौर है। उन्होंने कहा कि देश को वैश्विक उत्पादन का केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए 'मैक इन इंडिया कैपेन' की शुरुआत की गई है। डिजिटल इंडिया की शुरुआत का लक्ष्य डिजिटल सशक्तिकरण के साथ ही देश को ज्ञान आधारित उद्योग में बदलना है। 'स्किल इंडिया' की शुरुआत का मकसद देश के युवाओं को भारत के साथ ही विदेश में मिल रहे मौकों के लिए भी तैयार करना है। देश की आधारभूत संरचना को विकसित करने के लिए स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट समेत कई योजनाएं शुरू की गई हैं। देश को स्वच्छ और और हरा-भरा रखने के लिए 'स्वच्छ भारत मिशन' और 'गंगा सफाई मिशन' की शुरुआत की गई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार भारत में युवाओं की ऊर्जा का सही इस्तेमाल कर देश के आर्थिक दर को विकसित करने और रोजगार बढ़ाने के लिए करेगी ताकि देश तेज रफ्तार से प्रगति करे। 'स्टार्टअप इंडिया' कैपेन की शुरुआत हो चुकी है और इसको प्रोत्साहित करने के लिए भारत में टैक्स और नॉन टैक्स प्रोत्साहन योजना शुरू की गई है।

श्री गोयल ने कहा कि सरकार की इन सभी योजनाओं में सभी संबंधित लोगों का सहयोग जरूरी है। इसके लिए भारी मात्रा में निवेश की भी जरूरत होगी। दुनिया में फैले भारतीय मूल के युवा आधुनिक और संपन्न भारत बनाने की इस महत्वाकांक्षी योजना में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। सरकार विदेश में रह रहे भारतीयों तक इस योजना को पहुंचाने के लिए नियमों को आसान करने समेत कई कदम उठा रही है।

श्री गोयल ने कहा युवा किसी भी देश की जनसंख्या का सबसे गतिशील और जोशीला वर्ग होता है। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। यहां की कुल जनसंख्या में 35 साल से नीचे की आबादी का हिस्सा 65% है। अनुमान के मुताबिक 2020 तक देश की 50% आबादी की उम्र 28 साल या इससे कम होगी। जबकि अमेरिका में ये उम्र 38 साल, चीन में 42 साल और जापान में 48 साल है।

उन्होंने कहा कि भारतीय युवा हमेशा से बेहद कुशल, मेहनती और उद्यमशील रहा है। बड़ी संख्या में भारतीय युवा दुनिया के अलग-अलग देशों में गए हैं जहां उन्होंने बेहतर काम किया है, अच्छी कमाई की है और अपने साथ ही देश का भी नाम रौशन किया है। प्रवासी भारतीयों में से ज्यादातर बेहद पढ़े लिखे और कुशल पेशेवर हैं, जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में बेहद सफलता हासिल की है। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी के पेशेवरों का दुनिया भर में नाम है।

श्री गोयल ने कहा कि युवाओं को समाज सेवा और दूसरे देश के विकास के कार्यों से जोड़कर मंत्रालय उनके व्यक्तित्व और नेतृत्व कौशल में निखार लाने का प्रयास कर रहा है। इसे दो स्वयंसेवी संस्थाओं 'राष्ट्रीय सेवा योजना' और 'नेहरू युवा केंद्र संगठन' के जरिए किया जा रहा है। फिलहाल नेहरू युवा केंद्र संगठन के ग्रामिण इलाकों में 3.06 लाख युवा क्लब से 86 लाख युवा स्वयंसेवक जुड़े हुए हैं। जबकि 36 लाख से ज्यादा सीनियर सेकेंडरी स्कूल और कॉलेज के युवा राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की शुरुआत 1969 में महात्मा गांधी की जन्मशती पर हुई थी। महात्मा गांधी ने एकबार कहा था 'खुद की पहचान करने का सबसे अच्छा तरीका है देश सेवा के लिए खुद को समर्पित कर दो'। इन्हीं आदर्शों पर चलते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना का सिद्धांत है "मैं नहीं आप"। हमारे पास राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान भी है, जो कि युवाओं के विकास के क्षेत्र में हमारा प्रमुख संस्थान है।

श्री गोयल ने कहा कि विदेश में रह रहे भारतीय जो समाज सेवा करना चाहते हैं वो नेहरू युवा केंद्र संगठन, राष्ट्रीय सेवा योजना और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा संस्थान के साथ मिलकर मजबूत भारत बनाने की दिशा में कार्य कर सकते हैं।

वीएल/पीकेटी/- 55

